प्रकाशक/स्वामी
रजनी पुत्री-महेश धावनिया

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 10 अंक : 7 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 सितम्बर, 2017 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था के तत्वाधान में

बैरवा समाज का प्रतिभा सम्मान एवं द्वितीय युवक-यवती परिचय स्मारिका का विमोचन व सामुहिक गोठ सम्पन्न

प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से द्वितीय बैरवा युवक-युवती स्मारिका-2017 का विमाचन करते बाएं से श्री मनोज मेहरा, श्री भरत बैरवा, श्री राजेन्द्र बैरवा, श्री कन्हैयालाल मास्टर, श्री ललित कुमार जारवाल, श्री सीताराम बैरवा, श्री एस.के. बैरवा, श्री कविराज रामलाल बैरवा, श्री राजकुमार बैरवा, श्री प्रशान्त बैरवा, श्री महेश धावनिया, श्री पंकज धावनिया, श्री महेन्द्र कुमार बैरवा, श्री बिरमदेव जी महाराज व श्री शंकर लाल बैरवा इत्यादि।

जयपुर। प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था के तत्वावधान में बैरवा समाज की सामुहिक गौठ एवं द्वितीय बैरवा युवक-युवती परिचय स्मारिका का विमोचन रविवार दिनांक 20 अगस्त, 2017 को गोपालपुरा बाईपास रोड स्थित ''गार्गी गार्डन'' जयपुर में किया गया। संस्था के अध्यक्ष महेश धावनिया ने बताया है कि इस अवसर पर 80% व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के लगभग 150 प्रतिभाओं को मूमेन्टो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं 92% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्था के पदाधिकारी एवं अम्बेडकर विचार मंच के अध्यक्ष सीताराम बैरवा द्वारा 500 रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। समारोह में अतिथि के रूप में श्री प्रशान्त बैरवा, सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्री राजकुमार बैरवा, कांग्रेस विधायक प्रत्याशी शाहपुरा, श्री महेन्द्र कुमार बैरवा, मुख्य आयुक्त डीएलबी (विद्युत), श्री एस.के. बैरवा, कार्यकारी अध्यक्ष प्रगतिशील बैरवा महासभा, श्री सीताराम बैरवा अध्यक्ष अम्बेड़कर विचार मंच, श्री बिरम देव जी महाराज चापानेरी, श्री कन्हैया लाल मास्टर वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी, श्री ललित कुमार जारवाल, वरिष्ठ पदाधिकारी अखिल भारतीय बैरवा महासभा, श्री दौलत राम माल्या संस्थापक अध्यक्ष समर्पण संस्था, श्री मोहनलाल बड़ौदिया प्रधान सम्पादक हाड़ौती का शेर, श्री प्रभुलाल बैरवा (बैरवा युग), श्री रामकिशन मेहरा प्रधानाध्यापक राजकीय विद्यालय, श्री ओमप्रकाश बैरवा (मूर्तिकार), श्री रामेश्वर बैरवा (खुड़ियाला), श्री विष्णुराम गोठवाल (शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से समाज की प्रतिभा को समारोह के अतिथि श्री प्रशांत बैरवा, श्री राजकुमार बैरवा, श्री महेन्द्र कुमार बैरवा, श्री एस.के. बैरवा, श्री बिरमदेव जी महाराज, श्री सीताराम बैरवा एवं संस्था के अध्यक्ष महेश धावनिया द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते।

कूण्डियास में बाबा रामदेव भण्डारा सम्पन्न

भण्डारा समापन के दौरान भण्डारा समिति के अध्यक्ष श्री झूथाराम ठेकेदार एवं श्री रतनलाल बैनीवाल द्वारा बाबा के भजन प्रस्तुत करते।

जयपुर। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी भाद्रपद में बाबा की असीम अनुकम्पा से बाबा के दर्शनार्थ पधार रहे पैदल यात्रियों/भक्तजनों के लिये नि:शुल्क भोजन प्रसादी बाबा रामदेव भण्डारा सेवा समिति जयपुर द्वारा रखा गया। समिति के अध्यक्ष झूंथाराम ठेकेदार ने बताया कि यह भण्डारा मंगलवार, 8 अगस्त, 2017 से बुधवार, 23 अगस्त 2017 तक भण्डारा स्थल : कूण्डियास, बाबा रामदेव जी के मन्दिर के पास, किशनगढ़, अजमेर में भण्डारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा के हजारों भक्तों ने भोजन प्रसादी का आनन्द लिया। समिति के पदाधिकारी श्री रामेश्वर लाल ठेकेदार खुण्डियाला, श्री रघुनाथ ठेकेदार अराई, श्री मदनलाल काकलवाड़, श्री मोहरू लाल बैरवा रेनवाल, श्री रामगोपाल बैरवा उगरियावास, श्री शंकर लाल बैरवा उगरियावास, श्री रामधन ठेकेदार, श्री बंशी जी हरसूली, श्री गोपाल जी सिसोदिया फोटोग्राफर, श्री फूलचन्द नरवरिया, श्री तेजपाल बैरवा, श्री गोपाल लाल ठेकेदार, श्री तेजुराम ठेकेदार इत्यादि ने भण्डारे में अपनी उपस्थिति दी। इस अवसर पर 22 अगस्त, 2017 को रात्रि जागरण (सत्संग) का भी आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुत किये गये।

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अत: समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

मुख्यमंत्री ने सम्पर्क हैल्पलाइन कॉल सेंटर का आकस्मिक दौरा किया

शिकायत निस्तारण के सत्यापन की जांच की

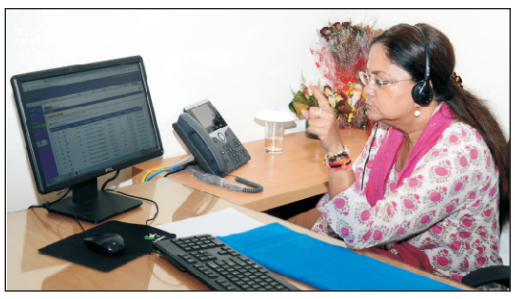

जयपुर। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हैल्पलाइन 181 कॉल सेंटर का आकस्मिक दौरा किया। उन्होंने जनशिकायतों के निस्तारण के लिए शुरू किये गये इस कॉल सेंटर में लगभग डेढ़ घंटे तक निस्तारण की प्रक्रिया और तकनीकी पहलुओं का जायजा लिया। श्रीमती राजे शाम सात बजे कॉल सेंटर पहुंची जहां उन्होंने कॉल सेंटर कर्मियों के साथ शिकायतें दर्ज होने से लेकर निस्तारण तक की पूरी प्रक्रिया की गहनता से समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने समस्याओं के निस्तारण पर शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि का जायजा लेने के लिए कॉल सेंटर पर रिकॉर्ड की जाने वाली रेंडम कॉल सुनी और शिकायत निस्तारण के सत्यापन की जांच की। (शेष पृष्ठ 2 पर)

लोकपाल पर फिर करूंगा आंदोलन, भाजपा सरकार ने वादा नहीं निभायाः अन्ना

नई दिल्ली। समाजसेवी अन्ना हजारे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भ्रष्टाचार और किसानों की समस्याओं पर अपनी नाराजगी जाहिर की। लेटर का जवाब नहीं मिलने पर अन्ना ने दिल्ली में आंदोलन करने का फैसला लिया है। अन्ना ने पत्र में लिखा था कि छह साल बाद भी भ्रष्टाचार को रोकने वाले एक भी कानून पर अमल नहीं हो पाया। लोकपाल, लोकायुक्त की नियुक्ति करने वाले और भ्रष्टाचार को रोकने वाले सभी सशक्त बिलों पर सरकार सुस्ती दिखा रही है। अन्ना ने कहा कि पिछले 3 साल में आपकी सरकार ने किसी पत्र का जवाब नहीं दिया।

डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया

जयपुर। डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी, राजस्थान, जयपुर के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में दि. 15.08.2017 को प्रात: 09.30 बजे सोसाइटी के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री बी.एल. बैरवा ने ध्वजारोहण किया तथा महासचिव श्री अनिल गोठवाल ने समारोह का संचालन करते हुए सोसाइटी की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष श्री पी.सी. हाडिया, कोषाध्यक्ष श्री राम सहाय वर्मा, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री एस.के. बैरवा, उपाध्यक्ष, श्री किशोर असवाल, श्री लक्ष्मीनारायण वर्मा वार्डन, संगठन सचिव श्री बाबूलाल बैरवा व श्री मोहनप्रकाश बैरवा, श्री जी.डी. मेहरा, श्री रामसिंह, श्री रामप्रकाश बैरवा, श्री जगदीश रमन, श्री लक्ष्मी नारायण बैरवा आदि ने संबोधित किया।

योजनाओं में आधार देने की अवधि 3 माह बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए आधार नंबर देने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है। पहले यह मोहलत 30 सितंबर तक थी। इसकी जानकारी अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में दी। आधार की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट नवंबर के पहले हफ्ते में सुनवाई करेगा।

आज आधार-पैन लिंक करने की अंतिम तिथि- पैन को आधार से लिंक करने की डेडलाइन 31 अगस्त को खत्म होगी। संभवत: इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। आयकर विभाग ने समय सीमा नहीं बढ़ाने की बात पहले ही कह चुका है।

इन्द्रराज सिंह कमाण्डेन्ट से सेवानिवृत

जयपुर। श्री इन्द्रराज सिंह कमाण्डेन्ट (सी.आई.एस.एफ.) के पद से अपनी गौरवमयी सेवा पूर्ण करने के उपरान्त केन्द्रीय से सेवानिर्वत हुऐ। इस अवसर पर ऑफिस की ओर से श्री इन्द्राराज सिंह का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया साथ ही खोले के हनुमान जी, जयपुर में श्री इन्द्राराज सिंह का परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बांधकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

बाबा के परम भक्त श्री प्रभुदयाल बैरवा कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी के नेतृत्व में 8वीं पदयात्रा 8 अगस्त, 2017 को रवानगी श्री कविराज रामलाल बैरवा सांगानेर तहसील अध्यक्ष प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, श्री रामप्रसाद गुर्जर अध्यक्ष मजदूर संघ एवं श्री प्रहलाद कुमार जारवाल सांगानेर तहसील कोषाध्यक्ष प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था द्वारा माला पहनाकर बाबा रामदेवरा के लिए रवाना करते।

विधायक प्रकाश जारवाल के नेतत्व में मंत्री से मिला प्रतिनिधि मंडल

नई दिल्ली। देवली के विधायक श्री प्रकाश जारवाल के नेतत्व में बैरवा समाज का एक प्रतिनिधि मंडल दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री श्री राजेन्द्र पाल गौतम से अपने समाज की समस्या को लेकर मिला और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा , जिसमें दिल्ली सरकार से अनुरोध किया गया है कि बैरवा जाति को दिल्ली में ओ.बी.सी. से निकालकर अनुसूचित जाति की सूची में बैरवा-बलाई के रूप में शामिल किया जाये। श्री प्रकाश जारवाल ने मंत्री जी को बताया कि बैरवा समाज दिललली में पिछले 60 वर्षों से यह मांग करता आया है कि राजस्थान की भांति दिल्ली में उसे अनुसूचित जाति की सूची में शामिल किया जाये परन्तु पूर्ववर्ती कांग्रेस तथा भाजपा की सरकारो ने हमेशा हमें आश्वासन दिया और हमारी मांग को लटकाये रखा है। (शेष पृष्ठ 2 पर)

सम्पादकीय
इंसाफ मिला

साध्वियों के यौन शोषण मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को 20 साल सश्रम कारावास की सजा दी गई है। अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजामों के बीच सीबीआई की विशेष अदालत ने रोहतक जेल में गुरमीत राम रहीम को यह फैसला सुनाया। संतों के मर्यादित आचरणों को तार-तार करने वाले और फिर किंगमेकर हो कर राजसत्ता को चुनौती देने वाले गुरमीत के आंसू और रहम की भीख मांगने पर न पसीज कर अदालत ने ठीक किया। हालांकि पीड़िता साध्वियों समेत समाज का बड़ा तबका उसको उम्र कैद देने की आस लगाए था। पर उन्हें भरोसा करना चाहिए कि यह फैसला पूरी तरह न्यायोचित है। देश की न्यायिक पणाली में इस लोक-विास का रक्षक है कि प्रतिपक्ष चाहे कितना प्रभुत्वशाली क्यों न हो, उसके दमन-शोषण और अन्याय के लिए कानूनन उसे दंडित किया जा सकता है। ताजा फैसले का यही कोर नैरेशन है। लेकिन बड़ी कामयाबी के बावजूद यह पहला पड़ाव पार होना भर है। गुरमीत को सजा सुनाये जाने पर हरियाणा समेत पांच राज्यों में उनके गुंडों द्वारा जानमाल के नुकसान का हर्जाना डेरा सच्चा सौदा की परिसंपत्ति करने की कार्रवाई पहला काम है। हत्याओं व जान से मारने की साजिशों, जबरन जमीन कब्जाने और अनधिकृत निर्माण मामले के त्वरित निष्पादन की जरूरत है। डेरा में अत्याधुनिक अवैध हथियारों का जखीरा है, जिन्हें सरकारी एजेंसियों से लोहा लेने के मंसूबे से जुटाया गया है। डेरा समर्थकों की हिंसा ने प्रयोजन स्पष्ट कर दिया है। फिर यह देशद्रोही भाव और काम है। देश एक और भिंडरावाले की कीमत चुकाने के लिए तैयार नहीं है। यह समझना आसान है कि गुरमीत ने डेरा मतावलंबियों में अपनी अजेय लोकप्रियता के चलते ही सियासत में किंगमेकर हो गया था। इनकी ही परिणतियां उसकी वे कारगुजारियां हैं, जिनमें वह संलिप्त हुआ है। इन सब पर सतत कार्रवाइयां हुई तो एक लक्ष्मण रेखा जैसी खींची जाना आसान हो जाएगा। अगर इस मामले को अंतिम बनाना है तो यह करना लाजिमी होगा। राजनीतिक सत्ता का एकमुश्त समर्थन एक संत को बौरा देता है और उसमें आपराधिकता जगा देता है; इस लिहाजन वह दंडनीय है। तो फिर चुनावी फायदे की एवज में एक सम्प्रदाय विशेष को अराजक होने की छूट दिये जाने के लिए राजनीति की आपराधिक जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। इस लिहाजन, डेरा प्रमुख पर फैसला आधा काम ही माना जाएगा। यह पूरा होगा उन स्थितियों के उत्प्रेरक बने कुछ राजनीतिकों पर फैसले से।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए
विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं
एक क्लासीफाइड डिस्प्ले
विज्ञापन
बिल्कुल मुफ्त
आजीवन सदस्यता
2100 रुपए
संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक, पिता-एन.बी.सी. में कार्य, गौत्र-गोमलाडू, बुहाड़िया, बेथाड़िया, सामने कुवाल न हो, मो. 7737809997
* जयपुर निवासी, 20 वर्ष, शिक्षा-बी.ए. द्वितीय वर्ष, गौत्र-मरमट, राजलवाल, नागरवाल, बेथाड़िया, सामने जारवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 19 वर्ष, शिक्षा-बी.ए. द्वितीय वर्ष, गौत्र-मरमट, राजलवाल, नागरवाल, बेथाड़िया, सामने जारवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए., पीजीडीसीए, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भुराहाड़िया, गौनावत, सिरोहिया, मो.-7597493946।
* जयपुर निवासी, 26वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतीया।
* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-एम.ए.सी., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतीया।
* उदयपुर निवासी, 30 वर्ष, (तलाकसुदा), शिक्षा-एम.सी.ए. पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-टटवाड़िया, सिसोदिया, मरमट।
* अजमेर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.ए.सी., बी.एड., एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-धवन, मेहरोलिया, तंवर, मो. 9414915078।
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉ., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-बड़गौती, लोदवाल, घुणावत, टाटू।
* जयपुर निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., गौत्र-बंशीवाल, बैण्डवाल, बेथेड़ी, बन्दावड़ी, चरावण्डी।
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., समाजशास्त्र, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, लकवाल, धावनिया।
* अजमेर निवासी, 21 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, मिमरोठ, मेहर।
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.ए.सी., एम.ए.सी., वर्तमान में बैंक मैनेजर, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, नागरवाल, मेहर।

वधु चाहिए

* जयपुर निवासी, 26वर्ष, शिक्षा-बी.टेक, वर्तमान में केन्द्रीय राजकीय सेवा, पिता -पिता राजकीय सेवा, गौत्र-लोदवाल, कुण्डारा, बड़ागोती, सामने मिमरोठ न हो।
* करौली निवासी, 26वर्ष, शिक्षा-एम.बी.बी.एस., वर्तमान में राजकीय चिकित्सा अधिकारी, पिता -निजी कार्य गौत्र-जाटुवा, बमणावत, बंशीवाल, सामने भरतोनियां।
* करौली निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.ए.एस.एस., राजकीय आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, पिता -राजकीय सेवा, गौत्र-जाटवा, जोरवाल, आकोदिया।
* जयपुर निवासी, 26वर्ष, शिक्षा-11वीं, वर्तमान में स्वयं का व्यवसाय, गौत्र-बैण्डवाल, लोदवाल, नंगवाड़ी, मो. 9829599054।
* दिल्ली निवासी, 37 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, एम.सी.ए., एम.ए.सी. (आई.टी.), वर्तमान में स्वयं का कोचिंग सेन्टर, गौत्र-बंशीवाल, धवन, घुणावत, सामने देवतवाल न हो।
* अलवर निवासी, 43 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.कॉम., वर्तमान में सहायक लेखाधिकारी, पिता -कृषि कार्य, गौत्र-देवतवाल, सुलानिया, जाटवा, बड़ौदी, सामने कुण्डारा न हो।
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., वर्तमान में व्याख्याता सरकारी, पिता -राजकीय सेवा, गौत्र-डोरिया, देवतवाल, मिमरोठ, सामने सिवत्या एवं बोहरा न हो।
* चित्तौड़ निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-एम.ए.सी., बी.एड., पिता -राजकीय सेवा, गौत्र-गोमलाडू, भुराड़िया, बंशीवाल, सामने बड़गौती न हो, मो. 9414915078।
* जयपुर निवासी, 28वर्ष, शिक्षा-11वीं वर्तमान में स्वंय का मिष्ठान भण्डार, गौत्र-बैण्डवाल, लोदवाल, नंगवाड़ी।
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., वर्तमान में रेल्वे में ऑफिसर, पिता -राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, नागरवाल, मेहर।
* जयपुर निवासी, 26वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता -राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, लकवाल, धावनिया।
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., वर्तमान में रेल्वे में ऑफिसर, पिता -राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, नागरवाल, मेहर।
* जयपुर निवासी, 28वर्ष, शिक्षा-बम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जरी, वर्तमान में महात्मा गांधी अस्पताल में चिकित्सक, पिता -राजकीय सेवा, गौत्र-जीनवाल, चौहान, जोनवाल।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें
मो.: 9928260244

''राष्ट्रीय उत्थान में डॉ. अम्बेडकर का योगदान''

गतांक से आगे

उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री, 'माओ' के पंचशील और अनाक्रमण तिब्बत संधि पर निर्भर न रहें, जो पंचशील बौद्ध धर्म का महत्त्वपूर्ण अंग है, उस पर यदि माओ का विश्वास होता तो वो अपने ही देश में बौद्ध धर्मावलम्बियों को विभिन्न तरीकों से प्रताडित न करते। सम्पूर्ण भारत में अनेक ज्योतिषी एवं राजनीति के विद्वान् थे लेकिन चीन विषयक भविष्यवाणी उन्होंने ही की थी। डॉ. अम्बेडकर की भविष्यवाणी दिसम्बर, 1962 में चीन ने भारत पर आक्रमण करके सत्य साबित कर दी। इस महान् देशभक्त व दलित नेता की भविष्यवाणी उनकी दूरदर्शिता को प्रदर्शित करती है। भारत की बढ़ती जनसंख्या की गम्भीरता को डॉ. अम्बेडकर ने भली भाँति पहचान लिया था। पिता की चौदहवीं संतान होने से उनके निजी अनुभव थे। बहुत पहिले मुम्बई विधान परिषद् में उन्होंने परिवार नियोजन की सलाह दी थी, उनके द्वारा तैयार परिवार नियोजन विधेयक उनकी अनुपस्थिति में विधायक दादा साहब रोहम ने प्रस्तुत किया था। इस सदी के चौथे दशक में इस तरह का विधेयक लाना एक क्रान्तिकारी कदम था, जिसे लाना आसान नहीं था। उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल में प्रतिवर्ष बाढ़ से भयानक हानि होती है। उन दिनों बाढ़ की समस्या आज के मुकाबले अधिक भीषण थी। डॉ. अम्बेडकर वायसराय कौन्सिल के सदस्य थे। उनके सामने नदियों की समस्या आयी। 'दामोदर घाटी योजना' नाम से बाबा साहेब ने एक योजना बनायी ओर कहा कि भारत के लिए अभिशाप बन आयी। इन नदियों को मैं 'वरदान' में बदल दूंगा। योजना का ब्ल्यू प्रिंट तैयार हुआ और कार्य की योजना बनी। बिहार में इसे 'दामोदर घाटी परियोजना' के नाम से जाना गया। वायसराय ने बाबा साहेब की सलाह से इसी योजना के आधार पर ''भाखड़ा नागल बांध'' जैसी योजनाऐं पूर्ण करवायीं, इन योजनाओं के प्रवर्तक डॉ. अम्बेडकर ही थे। बाबा साहेब ने सर्वप्रथम भारत में मजदूर और उनके संगठनों को मान्यता प्रदान कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। काम के घण्टे निर्धारित किये एवं कार्य की शर्तें व सुविधायें तय की गयी। उन दिनों स्त्रियों को खानों में काम करने रात में भी जाना पड़ता था। बाबा साहेब ने यह नियम बनवाया कि रात में किसी स्त्री को 'खान' में काम करने नहीं भेजा जायेगा। जिन स्थानों पर सीधे खड़े होकर काम नहीं किया जा सकता है, वहां स्त्रियों को काम नहीं दिया जावेगा। मजदूरों, कामगारों को मानवीय अधिकार दिलाने में डॉ. अम्बेडकर का यह महत्त्वपूर्ण योगदान हमेशा याद रहेगा।

डॉ. अम्बेडकर जिस समाज से आये थे, वहाँ स्त्रियों को उच्चवर्णीय स्त्रियों जैसे विधवा, बाल विवाह, मुण्डन, दहेज प्रथा, सती प्रथा आदि की पीड़ाऐं नहीं सहनी पड़ती थी। लेकिन उच्चवर्णीय स्त्रियां बहुत अधिक कष्टों में थी। डॉ. अम्बेडकर के गुरु व आदर्श महात्मा ज्योतिवाफुले ने स्त्रियों के लिए सतत संघर्ष किया था। पूना में स्त्री शिक्षा के लिए कई संस्थाऐं खोली थी। स्वयं एक विधवा से विवाह किया था। डॉ. अम्बेडकर ने हिन्दू कोड बिल तैयार करके भारतीय नारी को पुरुषों की दासता से मुक्ति दिलाने का महान कार्य किया। स्त्रियों को पुरुषों की तरह समानता का कानूनी अधिकार दिलाया। पिता की सम्पत्ति में बेटी का अधिकार दिलाया तथा लड़की को भी वारिस बनाकर गोद लिये जाने की वैधानिक व्यवस्था करवायी। किन्तु उनके द्वारा अथक परिश्रम से तैयार किये ''हिन्दू कोड बिल'' को संसद में पारित होने से रोका गया। इसलिए दुःखी होकर कानून मंत्री के पद से स्तीफा देकर सरकार से अलग हो गये। भारतीय नारी के प्रति उन्होंने जो अपनी भावनाओं का उद्गार व्यक्त किया है, वह हमेशा इतिहास में याद रहेगा। उन्होंने अपनी पुस्तक ''भारत की नारी का उत्थान और पतन'' में अपने विचारों को विस्तारपूर्वक लिखा है। डॉ. अम्बेडकर नारी के सम्मान को किसी भी समाज की प्रगति और विकास के लिए आवश्यक मानते थे। संविधान निर्माण की प्रक्रिया के दौरान डॉ. अम्बेडकर ने बहुत विरोध सहे। कई विवाद उठे। संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का कहना था कि संविधान लेखन समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अपने स्वभाव से अधिक बुद्धिमता से कार्य किया है। संविधान लेखन समिति के अध्यक्ष पद पर डॉ. अम्बेडकर का चुनाव करने का निर्णय जो संविधान समिति ने किया, उससे ज्यादा अचूक निर्णय और क्या हो सकता था। डॉ. अम्बेडकर ने अपने चयन की यथार्थता सिद्ध कर दी है।

क्रमशः

तेजाजी का मेला भरा, बाबा रामदेव जयंती मनाई

जयपुर। भाद्रपद शुक्ल दशमी को शहर में जगह-जगह लोकदेवता रामदेवजी की जंयती मनाई गई। साथ ही लोक देवता वीर तेजाजी के स्थान पर मेले भी भरे।

बाबा रामदेव मंदिर सेवा समिति अंबाबाड़ी में सुबह 1100 दीयों की आरती से मेले का शुभारंभ हुआ। अखिल अनुसूचित जाति समन्वय परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष गोपाल डेनवाल ने शुभारंभ किया। बाबा को पंच मेवों का भोग लगाया लगाकर महाआरती की गई। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए, जिनमें लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

इसी प्रकार मानसरोवर, धोलाई स्थित तेजाजी के स्थान पर भी मेला भरा ज्योत जलाई गई। श्रद्धालुओं ने तेजाजी के ढोक लगाई और प्रसाद चढ़ाया। मेले में लगी स्टॉल्स से व्यंजनों का लुत्फ उठाया। मेले में आसपास के क्षेत्रों गांवों के लोगों ने भाग लिया।

नई दिल्ली। महिला दिवस के उपलक्ष्य में लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के निवास स्थान पर केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने श्रीमती इंदिरा नागर द्वारा बनाई गई स्क्रेच पेंटिंग भेंट की गई। जिसकी सुमित्रा महाजन ने पेंटिंग की सरहाना करते हुए श्रीमती इंदिरा नागर धर्मपत्नी दिनेश चन्द नागर भिंडों का रास्ता, इंदिरा बाजार जयपुर के द्वारा बनाई गई स्क्रेच पेंटिंग की सुमित्रा महाजन ने इंदिरा नागर को पत्र लिखकर बधाई दी। पूर्व में भी ऐसी पेंटिंग के लिए पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा राष्ट्रपति भवन में सम्मानित किया जा चुका है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुख्यमंत्री ने सम्पर्क हैल्पलाइन कॉल सेंटर का आकस्मिक....

लाइव कॉल सुनी, तुरन्त राहत के दिये निर्देश- मुख्यमंत्री ने कॉल सेंटर पर एक लाइव कॉल भी सुनी, जिसमें दौसा के बांदीकुई स्थित इनाम की ढाणी के शिकायतकर्ता श्री मातादीन द्वारा खराब हैण्डपम्प की शिकायत के निस्तारण के सत्यापन को गलत पाया गया।

मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए प्रकरण की समस्त जानकारी तुरन्त एकत्र करवाई। इसके बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों को आदेश दिये गये कि हैण्डपम्प तुरन्त दुरुस्त कर शिकायतकर्ता को राहत प्रदान की जाये। श्रीमती राजे ने कहा कि दर्ज शिकायतों का निस्तारण ही काफी नहीं है, बल्कि उनका सही सत्यापन भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण का प्रतिशत बढ़ाने के साथ ही आमजन के संतोष का स्तर और बढ़ाना होगा। उन्होंने कॉल सेंटर अधिकारियों को निर्देश दिये कि परिवादियों की शिकायतों को पूरी संवेदनशीलता और सजगता से समझें और तत्काल कार्यवाही के लिए भिजवाएं।

विधायक प्रकाश जारवाल के नेतत्व में मंत्री.....

विधायक श्री जारवाल ने बताया कि बैरवा समाज राजस्थान प्रवासी समाज है और उसका मुख्य पेशा भवन निर्माण का रहा है। दिल्ली को बनाने व संवारने में हमारे पूर्वजों का बहुत बडा योगदान है और आज बैरवा समाज दिलली में लगभग 17 लाख की आबादी के साथ रहता हे परन्तु जनसंख्या आयोग की सन 2013 में हुई विशेष गणना में उसे 10 लाख से ऊपर दिखाया था जो कि आधी अधूरी गणना थी। मंत्री महोदय ने बैरवा समाज व उसके विधायक श्री प्रकाश जारवाल को आश्वासन दिया कि वे इसे अपने व्यक्तिगत स्तर पर देखेंगे व हर संभव बैरवा समाज की मांग को केबिनेट में रखकर इस कार्य को शीध्र अमलीजामा पहनाने का प्रयास करेगें। प्रतिनिधि मंडल में राजस्थान सेवा संघ के अध्यक्ष श्री अशोक भीटनवाल, महासचिव इंजी. नन्द किशोर, बैरवा समाज-दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष श्री जयसिंह भारती, महासचिव श्री बदरी प्रसाद भागवत, सचिव श्री भगवानदास नागर, समाजसेवी श्रीराम अवतार भागवत, श्री नानक चंद रानीवाल व जितेन्द्र गौतम इत्यादि प्रमुख थे।

पृष्ठ 1 का शेष

श्री रामेश्वर प्रसाद गोठवाल प्रशासनिक अधिकारी पी.डब्ल्यू.डी., श्री कन्हैयालाल रेसवाल, श्री लच्छुराम रेसवाल, श्री बाबूलाल बैरवा सेवानिवृत्त अधीक्षक पी.डब्ल्यू.डी., श्री रामेश्वरलाल बैरवा (कड़वा), श्री बंशी बैरवा

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से 20 अगस्त, 2017, गार्गी गार्डन जयपुर में आयोजित बैरवा समाज की सामूहिक गोठ के दौरान श्री कन्हैयालाल मास्टर कोटखावदा उपस्थित समाज बन्धुओं को सम्बोधित करते हुए।

हरसूली, श्री ज्ञानचन्द बैरवा (फागी), श्री हेमराज घुणावत, श्री बलराम नागरवाल, श्री बद्रीनारायण कुण्डारा (महलां) इत्यादि ने अचलपुरा, श्री सुभाष वर्मा, श्री रामनिवास महाराज, श्रीमती कमला बंशीवाल, श्री बाबूलाल बैरवा, श्री बद्रीनारायण कुण्डारा (महला) श्री लादूराम जैनव, श्री राजेश कुमार जोनवाल, श्री मदन लाल मेहरा इत्यादि भामाशाहों का संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह व माला पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही समाज के पंडित श्री भंवानीशंकर गोठवाल, श्री लादूराम बैरवा, श्री प्रभुदयाल बैरवा, श्री गोपाल सुलाणिया का भी संस्था की ओर से शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक श्री प्रशांत बैरवा ने सांगानेर तहसील कार्यकारणी में श्री कविराज रामलाल बैरवा, अध्यक्ष, श्री नन्दलाल बैरवा, सचिव, श्री प्रभु दयाल बैरवा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री

समारोह में शिरकत की। समारोह में लगभग 2000 व्यक्तियों ने गोठ का आनन्द उठाया। समारोह में संस्था की ओर से भामाशाहों में श्री प्रशांत बैरवा, श्री प्रहलाद कुमार जारवाल, श्री शंकर लाल बैरवा, श्री रामकिशन मेहरा, श्री हनुमानसहाय गोयल, श्री कन्हैयालाल बैरवा एक्स.ई.एन., श्री रंणजीत ठेकेदार, श्री रघुनाथ बैरवा, श्री महेन्द्र कुमार बैरवा, श्री मोतीराम कुण्डारा, श्री चन्द्रमोहन मीमरोठ, श्री जगदीश नारायण बैरवा, श्री सीताराम बैरवा विमलपुरा, श्री दौलतराम माल्या, श्री रामकिशोर बैरवा, श्री एस.के. बैरवा, श्री हर्षित नागरवाल, श्री रामगोपाल नागरवाल, श्री सी.एल. वर्मा, श्री अवधेश दिवाकर, श्री सीताराम बैरवा, श्री रामेश्वर लाल बैरवा, श्री कन्हैया लाल मास्टर, श्री रामेश्वर प्रसाद गोठवाल, श्री अभिषेक रमन, प्रहलाद कुमार बैरवा, कोषाध्यक्ष, श्री सीताराम बैरवा, संगठन सचिव, श्री ज्ञानचन्द बैरवा, प्रचारमंत्री एवं श्री श्री मदनलाल बैरवा, श्री रामावतार बैरवा, श्री रामनिवास बैरवा, श्री ओम प्रकाश लोदी, श्री प्रेमचन्द प्रेमी, श्री संजय कुमार आचार्य, श्री लालचन्द बैरवा ने सदस्य के रूप में शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारी महेश धावनिया, कविराज रामलाल बैरवा, मांगीलाल बैरवा, राजेश कुमार शास्त्री, राजकुमार कुवाल, राजेन्द्र कुमार बैरवा, भरत लाल बैरवा, सीताराम बैरवा, ज्ञानचन्द नागर, प्रहलाद कर्नाल, राकेश धवन हर्ष बैरवा, हर्षित नागरवाल, नरसी कुमार बैरवा, केदार प्रसाद बैरवा, बाबूलाल बैरवा, पंकज धावनिया, मनोज मेहरा, राजेश कुमार बैरवा, गोगाराम

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से 20 अगस्त, 2017, गार्गी गार्डन जयपुर में आयोजित बैरवा समाज की सामूहिक गोठ के दौरान समाजबन्धु शाही ठाठ से भोजन प्रसादी ग्रहण करते हुये।

श्री रामचन्द्र बैरवा ठेकेदार, श्री सुरेश कुमार गोठवाल, श्री लेखराज मीमरोठ, श्री दिलीप कुमार बडजात्या, श्री प्रेमचन्द्र बैरवा एडवोकेट, श्री प्रभुनारायण बैरवा, पण्डित लादूराम बैरवा, श्री भवर गोमलाडू, श्री कालूराम जीनवाल ठेकेदार, श्री रमेश कुमार बैरवा, श्री मनीश कुमार बैरवा, श्री अमरचन्द बैरवा, श्री रामनारायण कुवाल, श्री चिरंजी लाल बैरवा, श्री के.के. टाटीवाल, श्री रामनारायण आकोदिया, डॉ. अंकित वर्मा, श्री भगवानसहाय बैरवा, श्री गोपाल लाल सिसोदिया, श्री दिनेशचन्द नागर, श्री भवानी कुमार जुनेजा, श्री राजेश कुमार बैरवा (नागरवाल), श्री किशोरी लाल बैरवा, टाटीवाल, कन्हैया लाल बैरवा (महला) इत्यादि ने समारोह में बढ़चढ़ कर भाग लिया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। समारोह में सभी अतिथियों ने अपने-अपने विचार प्रकट किये और कार्यकम की सरहाना की। समारोह में समाज के श्री लक्ष्य आर्य, श्री अमित रेस्वाल, श्री विकास बैरवा द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन कवि सुरेन्द्र दीपक द्वारा किया गया। अन्त में संस्था के अध्यक्ष महेश धावनियां ने आये हुए सभी अतिथियों, समाज बन्दुओं एवं कार्यकर्त्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से 20 अगस्त, 2017, गार्गी गार्डन जयपुर में आयोजित बैरवा समाज की सामूहिक गोठ के दौरान संस्था के संरक्षक प्रशान्त बैरवा साथ में खड़े संस्था प्रदेशाध्यक्ष महेश धावनिया सांगानेर तहसील कार्यकारिणी को शपथ दिलाते।

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से 20 अगस्त, 2017, गार्गी गार्डन जयपुर में आयोजित बैरवा समाज की सामूहिक गोठ के दौरान समाज के युवाओं में श्री लक्ष्य आर्य, दिलीप रेसवाल, विकास बैरवा व सतीश कुमार द्वारा गीतों की प्रस्तुतियाँ देते हुए।

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से 20 अगस्त, 2017, गार्गी गार्डन जयपुर में आयोजित बैरवा समाज की सामूहिक गोठ के दौरान संस्था के संरक्षक प्रशान्त बैरवा व अध्यक्ष महेश धावनिया द्वारा शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते।

बैरवा समाज राजस्थान प्रदेश हेतु शुभ सूचना

आपको जानकर अत्यन्त हर्ष होगा की प्रदेश में समाज की अग्रणीय संस्था प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था द्वारा बैरवा परिचय निर्देशिका महानगर जयपुर का प्रकाशन हेतु जयपुर के प्रत्येक वार्ड में जनगणना प्रारम्भ की जा चुकी है। जिसका विमोचन शीघ्र ही एक भव्य समारोह में किया जायेगा। इसके बाद संस्था द्वारा जिलेवाई टीम बनाकर जिले वार परिचय निर्देशिका प्रकाशन हेतु कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

इस हेतु आपके सहयोग की पूर्ण आवश्यकता है। कृपया निम्न प्रारूप में अपने परिवार की पूर्ण जानकारी निम्न पते पर व्यक्तिसः या डाक से भिजवायें।

कार्यालय पताः सी-57, महेश नगर, जयपुर, सम्पर्कः 9928260244

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था (राज.) जयपुर

प्रधान कार्यालयः सी-57, महेश नगर, जयपुर, सम्पर्कः 9928260244, 7073909291

परिवार-परिचय विवरण

दिनांक.....

नाम (परिवार के मुखिया) ..... पिता का नाम.....

वर्तमान पताः .....

फोन..... ग्राम पता.....

तहसील..... शहर..... जिला.....

योग्यता (शैक्षणिक) ..... आयु.....

व्यवसाय..... पद..... विभाग.....

गौत्र-स्वयं..... माँ..... पत्नी..... अन्य.....

पारिवारिक विवरण (विवाहित पुत्रियों के अलावा)

क्र. सं.	नाम	उम्र जन्म	मुखिया से सम्बन्ध	शैक्षणिक योग्यता	व्यवसाय पद व विभाग	मो. नं.	वैवाहिक स्थिति
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							
...							

(हस्ताक्षर मुखिया)

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था के द्वारा किये गये कार्यों की सरहाना की

जयपुर। महेश जी धावनिया समाज के कर्णधार समाज को एक सूत्र में बांधने वाले समाज की रुचि सुविधानुसार पिछले काफी वर्षों से अनेकों कार्यक्रम आयोजित कर जिसमें छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन के तौर पर प्रशंसा पत्र इसके अलावा नशामुक्ति, पर्यावरण, बाल विवाह, भ्रूण हत्या, स्वच्छता के प्रति जागरुग, चुनाव के मद्देनजर बैरवा समाज को निडर होकर मतदान कर। कमेटी का गठन करना समाज के हितों को ध्यान में रखना आपके विशाल व्यक्तित्व में शामिल है। दीपक स्वयं जलता है लेकिन उसकी आकांक्षा अन्धकार को दूर करने तक ही सीमित नही होती वहीं स्वयं जलकर दुःख पाकर दूसरों को रोशन करता है। आप उस दीपक के सम्मान हो। दिनांक 20 अगस्त, 2017 को प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था का सम्मेलन में द्वितीय बैरवा युवक युवती परिचय स्मारिका-2017 का विमोचन एवं समाज की प्रतिभाओं का सम्मान व बैरवा समाज की सामूहिक गोठ में दाल-बाटी-चूरमा का आनन्द जितने भी बैरवा समाज के गणमान्य नागरिकगण, महिलाए उपस्थित हुयी। सभी ने तह दिल से सराया प्रशंसा की। स्टेज का संचालन का कार्य अतिउत्तम रहा माईक में आपकी गूंज समाज की संदेश दे रही थी कि सब संगठित रहो अतयाचार को सहन मत करो, नकारात्मक सोच छोड़ों सकारात्मक सोच अपनाओं। आपको प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था के सभी कार्यकर्ता रीढ़ की हड्डी के समान सतर्क सचेत भागीदारी का रोल अदा कर रहे थे। खाना सबसे अच्छा स्वादिष्ट रहा। व्यवस्था में महिलाओं की अलग व्यवस्था पुरुषों की अलग व्यवस्था कर महिलाओं की मानमर्यादा का ध्यान रखा। रसोई काफी बची जिसकों बैरवा छात्रावास जयपुर एवं गरीबों में निःशुल्क वितरित की। टैन्ट व्यवस्था मंच का गठन बैठक की पर्याप्त कुर्सिया गर्मी से बचने के लिए जम्बो वाटर विशाल कुलरों की व्यवस्था की। विशालता को दर्शाता है। आप साधक है। गम्भीर विचारों में नम्रता दयालुता जिम्मेदारी व्यवहार आपकों आगे बढ़ने की सिड्डयां है। आपके सम्मेलन में बैरवा समाज का अधिपत्य तो था ही लेकिन अन्य समाजों के नेतृत्वशील व्यक्तियों को भी आभास करा दिया कि हम सम्पन्न जातियों से कम नहीं। मंच पर विराजमान हमारे अंग्रेजों का भाषण समाज की एक रोशनी, नई दिशा थी। जिसका हमकों अनुकरण करना चाहिए।

पं. लादूराम बैरवा

मैं आपके कार्यक्रम को पिछले 25 वर्षों से देखता आ रहा हूँ सभी कार्यक्रमों में समाज की विकास की गति छिपी रही। मैं आपके उज्जवल भविष्य, शारिरिक, स्वच्छता की कामना करता हूँ। आगे बड़ते रहे समाज आपके साथ है हम आपके साथ है। आपकी समर्पण की भावना आपके साथ है। पण्डित जनों का सम्मान कर आपके प्रति उनकी आत्मा जागी आपको सहयोग करने की।

श्री बाबा के आजीवन व विशिष्ठ सदस्य बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आजीवन

केदार प्रसाद बैरवा
केस ऑफिसर एसबीआई
महेश नगर, जयपुर

आजीवन

राजकुमार कुवाल
कोषाध्यक्ष
प्रा.बै.प्र. संस्था

किशोरी लाल बैरवा
महेश नगर
जयपुर

राकेश कुमार जोनवाल
एजी कॉलोनी, बजाज नगर
जयपुर

भवानी शंकर बैरवा
नेवटा, सांगानेर
जयपुर

सद्भाव के प्रतीक हिन्दूओं के रामदेव और मुसलमानों के रामसापीर

राजस्थान में अनेक ऐसे महापुरूष हुए जिन्होंने मानव देह धारण कर अपने कर्म और तप से यहां के लोक जीवन को आलोकित किया। उनके चरित्र, कर्म और वचनबद्धता से उन्हें जनमानस में लोकदेवता की पदवी मिली और वे जन-जन में पूजे जाने लगे। ऐसे ही लोकदेवताओं में बाबा रामदेव जिनका प्रमुख

मंदिर जैसलमेर जिले के रामदेवरा में है, सद्भावना की जीती जागती मिसाल हैं। हिन्दू समाज में वे बाबा रामदेव एवं मुस्लिम समाज रामसा पीर के नाम से पूजनीय हैं। रामदेव जी के जन्म स्थान को लेकर मतभेद है परन्तु इसमें सब एक मत है कि उनका समाधी स्थल रामदेवरा ही है। यहां वे मूर्ति स्वरूप में पूजे जाते हैं। रामदेवरा में उन्होंने जीवित समाधी ली थी और यहीं पर उनका भव्य मंदिर बना हुआ है। पूर्व में समाधी छोटे छतरीनुमा मंदिर में बनी थी। वर्ष 1912 में बीकानेर के तत्कालीन शासक महाराजा गंगासिंह ने छतरी के चारों तरफ बड़े मंदिर का निर्माण कराया, जिसने शनः-शनः भव्य मंदिर का रूप ले लिया। बाबा की समाधी के सामने पूर्वी कोने में अखण्ड ज्योति प्रज्जवलित रहती है। दर्शन द्वार पर लोहे का चैनल गेट लगाया गया है। दर्शनार्थी अपनी मनौती पूर्ण करने के लिए कपड़ा, मौली, नारियल आदि बांधते हैं तथा मनौती पूर्ण होने पर खोल देते हैं। बताया जाता है कि उस समय मंदिर के निर्माण में 57 हजार रूपये की लागत आई थी। यह मंदिर हिन्दुओं एवं मुसलमानों दोनों की आस्था का प्रबल केन्द्र है। मंदिर में बाबा रामदेव की मूर्ति के साथ-साथ एक मजार भी बनी है। राजस्थान से ही नहीं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी बड़े पैमाने पर श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। मंदिर में प्रातः 04.30 बजे मंगला आरती, प्रातः 8.00 बजे भोग आरती, दोपहर 3.45 बजे श्रृंगार आरती, सायं 7.00 बजे संध्या तथा रात्रि 9.00 बजे शयन आरती होती है। समाधी स्थल के पास ही रामदेवजी की परमभक्त शिष्या डाली बाई की समाधी और कंगन हैं। डाली बाई का कंगन पत्थर से बना है और इसके प्रति धर्मालुओं में गहरी आस्था है। मान्यता के अनुसार इस कंगन के अन्दर से होकर निकलने पर सभी प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं। मंदिर आने वाले लोग इस कंगन के अन्दर से निकलने पर ही अपनी यात्रा पूर्ण मानते हैं। मंदिर के समीप ही स्वयं रामदेव जी द्वारा खुदवाई गई परचा बावड़ी अपनी स्थापत्य कला में बेजोड़ है। इस बावड़ी का निर्माण फाल्गुन सुदी तृतीया विक्रम संवत् 1897 को पूर्ण हुआ। बावड़ी का जल शुद्ध व मीठा है। बावड़ी का निर्माण रामदेव जी के कहने पर बणिया बोयता ने करवाया था। बावड़ी पर लगे चार शिलालेखों से पता चलता है कि घामट गांव के पालीवाल ब्राह्मणों ने इसका पुनर्निर्माण कराया था। इस बावड़ी का जल रामदेवजी का अभिषेक करने के काम में लाया जाता है। गांव के निवासियों को जल का अभाव न रहे इसलिए रामदेव जी ने मंदिर के पीछे विक्रम संवत् 1439 में रामसरोवर तालाब खुदवाया था। यह तालाब 150 एकड क्षेत्र में फैला है तथा इसकी गहराई 25 फीट है। तालाब के पश्चिमी छोर पर अद्भुत आश्रम तथा पाल के उत्तरी सिरे पर रामदेवजी की जीवित समाधी है। इसी क्षेत्र में डाली बाई की जीवित समाधी भी है। तालाब के तीनों ओर पक्के घाट बनाये गये हैं। इसकी पाल पर श्रद्धालु पत्थरों से छोटे-छोटे मकान बनाकर अपने सपनों का घर बनाने की रामदेव जी से विनती करते हैं। बताया जाता है इस तालाब की मिट्टी के लेप से चर्म रोग दूर हो जाता है। कई श्रद्धालु तालाब की मिट्टी अपने साथ ले जाते हैं।

रामदेवरा मंदिर से 2 किलोमीटर दूर पूर्व में निर्मित रूणीचा कुंआ (राणीसा का कुंआ) और एक छोटा रामदेव मंदिर भी दर्शनीय है। बताया जाता है कि रानी नेतलदे को प्यास लगने पर रामदेव जी ने भाले की नोक से इस जगह पाताल तोड़ कर पानी निकाला था और तब ही से यह स्थल राणीसा का कुंआ के नाम से जाना गया। कालान्तर में अपभ्रंश होते-होते रूणीचा कुंआ में परिवर्तित हो गया। जिस पेड़ के नीचे रामदेव जी को डाली बाई मिली थी, उस पेड़ को डाली बाई का जाल कहा जाता है।

बाबा रामदेव जी के 24 परचों में पंच पीपली भी प्रसिद्ध स्थल है। इस सम्बंध में प्रचलित कथानक के अनुसार रामदेव जी की परीक्षा के लिए मक्का-मदीना से पांच पीर रामदेवरा आये और उनके अतिथि बने। भोजन के समय पीरों ने कहा कि वे स्वयं के कटोरे में ही भोजन करते हैं। रामदेव ने वहीं बैठे-बैठे अपनी दाई भुजा को इतना लम्बा फैलाया कि मदीना से उनके कटोरे वहीं मंगवा दिये। पीरों ने उनका चमत्कार देखकर उन्हें अपना गुरु (पीर) माना और यहीं से रामदेव जी का नाम रामसा पीर पड़ा और बाबा को पीरो के पीर रामसा पीर की उपाधी भी प्रदान की गई। इस घटना से मुसलमान इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने भी इनकी पूजा करनी शुरू कर दी। रामदेवरा से पूर्व की ओर 10 किलोमीटर एकां गांव के पास छोटी सी नाडी के पाल पर घटित इस घटना के दौरान पीरों ने भी परचे स्वरूप पांच पीपली लगाई थी, जो आज भी मौजूद हैं। यहां बाबा रामदेव का एक छोटा सा मंदिर व सरोवर भी बना है। मंदिर में पुजारी द्वारा नियमित पूजा की जाती है। रामदेवरा में रामदेवजी के मंदिर से मात्र 1.5 किलोमीटर दूर आरसीपी रोड पर श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर, गुरु मंदिर एवं दादाबाड़ी दर्शनीय क्षेत्र हैं। बाबा रामदेव का जन्म वैष्णव भक्त अजमल जी के घर मैणादे की कोख से हुआ था। अजमल जी किसी समय दिल्ली के सम्राट रहे एवं अनंगपाल तंवर के वंशज थे। बाद में वे आकर पश्चिमी राजस्थान में निवास करने लगे। अजमल जी द्वारिकाधीश के अनन्य भक्त थे। मान्यता है कि भगवान कृष्ण की कृपा से बाबा रामदेव का जन्म हुआ।

उनके जन्म से लौकिक एवं अलौकिक चमत्कारों, शक्तियों का उल्लेख उनके भजनों, लोकगीतों और लोककथाओं में व्यापक रूप से मिलता है। उनके लोक गीतों और कथाओं में भैरव राक्षस का वध, घोड़े की सवारी, लक्खी बनजारे का परचा, पांचों पीर का परचा, नेतलदे की अपंगता दूर करने आदि के उल्लेख बखूबी पाये जाते हैं। उनके घोड़े की श्रद्धा से पूजा की जाती है। ामदेवजी ने तत्कालीन समाज में व्याप्त छूआछूत, जात-पांत का भेदभाव दूर करने तथा नारी व दलित उत्थान के लिए प्रयास किये। अमर कोट के राजा दलपत सोढा की अपंग कन्या नेतलदे को पत्नी स्वीकार कर समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत किया। दलितों को आत्मनिर्भर बनने और सम्मान के साथ जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पाखण्ड व आडम्बर का विरोध किया। उन्होंने सगुन-निर्गुण, अद्वैत, वेदान्त, भक्ति, ज्ञान योग, कर्मयोग जैसे विषयों की सहज व सरल व्याख्या की। आज भी बाबा की वाणी को हरजस के रूप में गाया जाता है। वर्ष में दो बार रामदेवरा में भव्य मेलों का आयोजन किया जाता है। शुक्ल पक्ष में तथा भादवा और माघ में दूज से लेकर दशमीं तक मेला भरता है। भादवा के महिने में राजस्थान के किसी सड़क मार्ग पर निकल जायें, सफेद रंग की या पचरंगी ध्वजा को हाथ में लेकर सैंकड़ों जत्थे रामदेवरा की ओर जाते नजर आते हैं। इन जत्थों में सभी आयु वर्ग के नौजवान, बुजुर्ग, स्त्री-पुरूष और बच्चे पूरे उत्साह से बिना थके अनवरत चलते रहते हैं। बाबा रामदेव के जयकारे गुंजायमान करते हुए यह जत्थे मीलों लम्बी यात्रा कर बाबा के दरबार में हाजरी लगाते हैं। साथ लेकर गये ध्वजाओं को मुख्य मंदिर में चढ़ा देते हैं। भादवा के मेले में महाप्रसाद बनाया जाता है। यात्री भोजन भी करते हैं और चन्दा भी चढ़ाते हैं। यहां आने वालों के लिए बड़ी संख्या में धर्मशालाएं और विश्राम स्थल बनाये गये हैं। सरकार की ओर से मेले में व्यापक प्रबंध किये जाते है। रात्रि को जागरणों के दौरान रामदेवजी के भोपे रामदेवजी की थांवला एवं फड़ बांचते हैं।

करीब 100 वर्ष पुराना बाबा रामदेव मन्दिर (छोटा गुवाड़ा) जयपुर स्थित लुहारों का खुर्रा में 25 वर्षों से मुस्लिम क्षेत्र में एक भी हिन्दू परिवार न होते हुए भी मुस्लिम लोगों के सहयोग से तेली व बैरवा परिवारों द्वारा लगातार सेवाभाव से पूजा अर्चना व हर वर्ष बाबा रामदेव जयन्ती पर सत्संग समारोह दशमी मेला का आयोजन किया जाता रहा है।

छोटा गुवाड़ा। लुहारों का खुर्रा, रामगंज बाजार, जयपुर में हर वर्ष की भाँति बाबा रामदेव मन्दिर में पूजा करते हुए राजेश कुमार बैरवा (नागरवाल), गणेशराम बैरवा, प्रभुदयाल बैरवा, गोविन्दराम गोठवाल, सुरेश गोठवाल, रमेश चन्द लोदवाल व अर्जुन कुमार।

संविदा पर लगाए सेवानिवृत्त कर्मियों को हटाओः हाईकोर्ट

जयपुर। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को सरकारी विभागों में संविदा पर नियुक्त किए गए रिटायरकर्मियों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि यदि किसी रिटायरकर्मी को संविदा पर नियुक्त किया है तो यह राजस्थान सेवा नियमों का उल्लंघन है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार खाली हुए पदों को सुरेन्द्र कुमार गुर्जर के मामले में दिए गए निर्णय के अनुसार भरे। साथ ही अदालत ने आदेश की कॉपी मुख्य सचिव को भिजवाते हुए आदेश का पालन सख्ती से कराने का निर्देश दिया है। न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने यह आदेश रिटायर कर्मचारी रमाकांत वशिष्ठ की याचिका पर दिया।

अधिवक्ता आरपी सैनी ने बताया कि प्रार्थी को रिटायरमेंट के बाद स्वास्थ्य विभाग में लेखाकर्मी के पद पर संविदा के आधार पर नियुक्त किया था। लेकिन उसे पद से हटा दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि शिक्षा चिकित्सा विभाग सहित अन्य सरकारी विभागों में हजारों रिटायर कर्मचारियों को संविदा पर नियुक्त कर रखा है।

राज्य सरकार के अफसर इन रिटायरकर्मियों की नियुक्ति मनमाने तरीके और भेदभावपूर्वक करते हैं, जो गलत है। इसके अलावा रिटायरकर्मियों को सरकारी विभागों में संविदा पर नियुक्त करना गलत है और यह राजस्थान सेवा नियमों के विपरीत है। ऐसे में रिटायरकर्मियों की जगह पर बेरोजगार युवाओं को नियुक्त किया जाना चाहिए। अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को संविदा पर नियुक्त किए रिटायरकर्मियों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया।

M.: 94142-78598
दिनेश कुमार लोदिया
एडवोकेट-राजस्थान उच्च न्यायालय
कोर्टः गोल बरामदा, नकल शाखा के नीचे,
पिलर नं. 22, सैशन कोर्ट, बनीपार्क, जयपुर

ऑफिस/निवासः ए-36, बजाज नगर, पुलिस थाने के सामने, जयपुर-015

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com